15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर भाषण

Speech No.1

स्वतंत्रता दिवस पर 10 मिनट का लम्बा भाषण (Swatantrata diwas par bhashan)

इस प्रांगण में उपस्थित सभी सम्माननीय लोग, शिक्षक, मेरे सहपाठियों और उपस्थित अन्य सभी गणमान्य लोगों को मेरा प्रमाण (नमस्कार)। 15 अगस्त को इस स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर को मनाने के लिए हम सभी यहां एकत्रित हुए हैं। इस शुभ अवसर की आप सभी को ढ़ेरों शुभकामनाएं और बधाई। आज इस शुभ अवसर पर मुझे आप सभी के बीच संबोधन करने का मौका मिला है उसके लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

दोस्तों, जैसा कि हम जानते हैं, 15 अगस्त हर भारतीयों के लिए एक सम्मान और गर्व का दिन है। 15 अगस्त सन् 1947 को हमारें सभी स्वतंत्रता सेनानीयों और क्रांतिकारीयों ने अपनी जान की बाजी लगाकर हमारे देश को ब्रिटिश साम्राज्य से मुक्त कराया था, और वो हमें अपने बलिदान और इस देश की आजादी का कर्जदार कर गएं। इसलिए हम इसे एतिहासिक रुप से उनकी याद और सम्मान में इस दिन को मनाते हैं। इसी दिन तकरीबन 200 वर्षों से हम भारतीयों पर अत्याचार कर रहें अंग्रेजी हुकूमत से हमें आजादी मिली थी, जो कि अतूलनीय है।

अंग्रेजी हुकूमत ने कई वर्षों तक हम भारतीयों पर अत्याचार किया और हमें गुलाम बनाकर रखा। एक कहावत है कि “पाप का घड़ा एक दिन अवश्य फूटता है”, और इसी कहावत के अनुसार 15 अगस्त के दिन हमें अंग्रेजों की गुलामी से

आजादी मिली और हम पूर्ण रुप से स्वतंत्र हो गए। इस आजादी के अथक प्रयास में हमने अपने देश के कई महान व्यक्तियों को भी खो दिया। हमारे देश में ऐसे कई महान व्यक्तियों ने जन्म लिया जिन्होनें देश की आजादी के लिए अपनी जान तक की परवाह न की, और हंसते-हंसते देश के लिए कुर्बान हो गए। हमारे देश की आजादी में सबसे महत्वपूर्ण योगदान महात्मा गांधी जी ने दिया, जिन्होनें ब्रिटिश शासन के खिलाफ सत्य और अहिंसा जैसे शस्त्र का प्रयोग कर उन्हें भारत छोड़ने पर मजबूर कर दिया। देश की आजादी में कई अन्य स्वतंत्रता सेनानी जैसे जवाहर लाल नेहरु, सरदार बल्लभ भाई पटेल, सुभाष चन्द्र बोष, भगत सिहं, चन्द्रशेखर आजाद इत्यादि कई ऐसे लोग थें जिन्होंने भारत की आजादी में अपना योगदान दिया और देश को अंग्रेजों की गुलामी के चंगुल से मुक्त करवाया।

हम बहुत भाग्यशाली हैं कि इतिहास में हमें ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी मिले और उन्होंने न केवल देश को बल्कि आगे आने वाली पीढ़ियों को भी अंग्रेजों की गुलामी से आजाद करवाया। इस कारण हम आज आजाद हैं और दिन प्रतिदिन नई-नई उपलब्धियों और नये मुकाम को हासिल कर रहें हैं।

आजादी के 76 साल बाद आज हमारा देश हर क्षेत्र में प्रगति की ओर अग्रसर है। हमारा देश हर दिन अलग क्षेत्र में एक नया अध्याय लिख रहा है, जैसे सैन्य ताकत, शिक्षा, तकनिकी, खेल और कई अन्य क्षेत्रों में यह हर दिन नया आयाम लिख रहा है। आज हमारी सैन्य ताकत इतनी अच्छी है कि दुनियां भर में इसकी मिसाल दी जाती है, और कोई भी देश भारत पर आंख उठाकर देखने में भी घबराता है। आज हमारी सैन्य ताकत आधुनिक हथियारों से लैस है, जो किसी भी दुश्मन को पलक झपकते ही मिटाने की ताकत रखता है।

जैसा कि हम जानते हैं कि हमारा देश प्रचीन काल से ही कृषि प्रधान देश रहा है, और 15 अगस्त 1947 के बाद हमारे कृषि क्षेत्र में भी काफी बदलाव आया है। आजादी के बाद हम कृषि में नई तकनीक और फ़सल उगाने के नये तरीकों का इस्तेमाल कर अधिक मात्रा में फसल का उत्पाद करते हैं, और आज हमारा देश आनाज का निर्यात करने में सबसे आगे है। सन् 1965 में भारत और पाकिस्तान के युद्ध के दौरान तात्कालिक प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने “जय जवान जय किसान” का नारा दिया था। और आज यह नारा काफी हद तक सिध्द होता है।

आज आजादी के बाद विज्ञान के क्षेत्र में भी हमने काफी तरक्की कर ली है। इस विज्ञानिक तकनीकी के कारण आज भारत चन्द्रमा और मंगल तक का सफर तय कर चुका है। नई विज्ञानिक तकनीकी को हर दिन नया कर हम देश को एक नई तरक्की की ओर ले जा रहे हैं। विज्ञान और तकनीक को हम अपने लिए हर क्षेत्र में अपना रहे है। सैन्य, कृषि, शिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान और तकनीकी को अपनाकर हम खुद को प्रगतिशील देशों के समकक्ष खड़ा कर पाए हैं। आजादी के बाद हमने हर क्षेत्र में प्रगति की है और रोज नये आयामों को लिख रहे हैं।

आजादी के इस अवसर पर जहां हम देश के प्रगति के नये आयामों के बारे में चर्चा कर रहे है, वही हमें गुलामी के उस मंजर को कभी नहीं भुलना चाहिए, जहां हमारे महान स्वतंत्रता सेनानीयों ने आजादी के लिए अपनी जान तक कुर्बान कर दी। आज भी उन महान व्यक्तियों को याद कर हमारी आंखें नम हो जाती हैं। हमें आज के नये भारत की चकाचौंध में उन महान आत्माओं को कभी नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया।

आज इस शुभ अवसर पर आपको संबोधित करते हुए उन महान आत्माओं को मेरा शत्-शत् प्रणाम और श्रद्धाजंली देते हुए अपनी इन बातों को विराम देता हूँ, आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद।

भारत माता की जय…. जय हिन्द….

Speech No.2

स्वतंत्रता दिवस पर 5 मिनट का भाषण

मेरे सभी आदरणीय अधयापकों, अभिभावक, और प्यारे मित्रों को सुबह का नमस्कार। इस महान राष्ट्रीय अवसर को मनाने के लिये आज हमलोग यहाँ इकठ्ठा हुए हैं। जैसा कि हम जानते है कि स्वतंत्रता दिवस हम सभी के लिये एक मंगल अवसर है। ये सभी भारतीय नागरिकों के लिये बहुत महत्वपूर्ण दिन है तथा ये इतिहास में सदा के लिये उल्लिखित हो चुका है। ये वो दिन है जब भारत के महान स्वतंत्रता सेनानीयों द्वारा वर्षों के कड़े संघर्ष के बाद ब्रिटीश शासन से हमें आजादी मिली। भारत की आजादी के पहले दिन को याद करने के लिये हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते है साथ ही साथ उन सभी महान नेताओं के बलिदानों को याद करते है जिन्होंने भारत की आजादी के लिये अपनी आहुति दी।

ब्रिटीश शासन से 15 अगस्त 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिली। आजादी के बाद हमें अपने राष्ट्र और मातृभूमि में सारे मूलभूत अधिकार मिले। हमें अपने भारतीय होने पर गर्व होना चाहिये और अपने सौभाग्य की प्रशंसा करनी चाहिये कि हम आजाद भारत की भूमि में पैदा हुए है। गुलाम भारत का इतिहास सब कुछ बयाँ करता है कि कैसे हमारे पूर्वजों ने कड़ा संघर्ष किया और फिरंगियो कें क्रूर यातनाओं को सहन किया। हम यहाँ बैठ के इस बात की कल्पना नहीं कर सकते कि ब्रिटीश शासन से आजादी कितनी मुश्किल थी। इसने अनगिनत स्वतंत्रता सेनानीयों के जीवन का बलिदान और 1857 से 1947 तक कई दशकों का संघर्ष लिया है। भारत की आजादी के लिये अंग्रेजों के खिलाफ सबसे पहले आवाज ब्रिटीश सेना में काम करने वाले सैनिक मंगल पांडे ने उठायी थी।

बाद में कई महान स्वतंत्रता सेनानीयों ने संघर्ष किया और अपने पूरे जीवन को आजादी के लिये दे दिया। हम सब कभी भी भगत सिंह, खुदीराम बोस और चन्द्रशेखर आजाद को नहीं भूल सकते जिन्होंने बहुत कम उम्र में देश के लड़ते हुए अपनी जान गवाँ दी। हम नेताजी और गाँधी जी संघर्षों को कैसे दरकिनार कर सकते हैं। गाँधी जी एक महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने भारतीयों को अहिंसा का पाठ पढ़ाया था। वो एक एकमात्र ऐसे नेता थे जिन्होंने अहिंसा के माध्यम के आजादी का रास्ता दिखाया और अंतत: लंबे संघर्ष के बाद 15 अगस्त 1947 को वो दिन आया जब भारत को आजादी मिली।

हमलोग काफी भाग्यशाली है कि हमारे पूर्वजों ने हमें शांति और खुशी की धरती दी है जहाँ हम बिना डरे रातों में सो सकते हैं और अपने स्कूल तथा घर में पूरा दिन मस्ती कर सकते हैं। हमारा देश तेजी से तकनीक, शिक्षा, खेल, वित्त, और कई दूसरे क्षेत्रों में विकसित कर रहा है जो कि बिना आजादी के संभव नहीं था। परमाणु ऊर्जा में समृद्ध देशों में एक भारत है। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स जैसे खेलों में सक्रिय रुप से भागीदारी करने के द्वारा हमलोग आगे बढ़ रहे हैं। हमें अपनी सरकार चुनने की पूरी आजादी है और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का उपयोग कर रहे हैं। हाँ, हम मुक्त है और पूरी आजादी है हालाँकि हमें खुद को अपने देश के प्रति जिम्मेदारीयों से मुक्त नहीं समझना चाहिये। देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते, किसी भी आपात स्थिति के लिये हमें हमेशा तैयार रहना चाहिये।

Speech No.3

स्वतंत्रता दिवस हमारे देश के इतिहास में एक अति महत्वपूर्ण दिन है। यह वो दिन है जब भारत ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की और एक संप्रभु राष्ट्र बन गया। इस दिन, हम स्वतंत्रता, एकता और

राष्ट्रवादी गौरव की भावना का जश्न मनाने के लिए एक साथ आते हैं जो हमारे देश की "विविधता में एकता" की सूक्ति को परिभाषित करता है। स्वतंत्रता दिवस विशेष इस भाषण में, मैं आज स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर प्रकाश डालूंगा / डालुंगी, इसकी तुलना दुनिया भर के अन्य देशों के स्वतंत्रता दिवस से करूंगा/करूंगी और स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से हमारे देश की यात्रा पर अपने विचार आपके सामने रखूंगा / रखूंगी।

पृष्ठभूमि और महत्व

महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसी शख्सियतों के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आजादी के लिए एक ऐसा अद्भुत अहिंसक संघर्ष था, जो लगभग तीन दशकों तक चला। 15 अगस्त 1947 को, भारत ने अंततः अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की और एक संप्रभु राष्ट्र बन गया।

स्वतंत्रता दिवस केवल औपनिवेशिक शासन से मुक्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक नए राष्ट्र के जन्म का भी प्रतीक है। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों और हमारे स्वशासन के अधिकार के लिए लड़ने वाले हमारे पूर्वजों के संघर्षों को याद करने का दिन भी है। यह हमारे देश की विविधता और एकता का जश्न मनाने और सभी के लिए एक बेहतर भारत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता हेतु संकल्प लेने का दिन है।

अन्य देशों के स्वतंत्रता दिवस से तुलना:

भारत के स्वतंत्रता दिवस की तुलना अन्य राष्ट्रों के स्वतंत्रता दिवस से की जा सकती है जिन्होंने औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की। उदाहरण के लिए, 4 जुलाई को, संयुक्त राज्य अमेरिका अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। यह वो दिन है जब 13 उपनिवेशों ने ब्रिटिश शासन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की थी। इसी तरह, 14 जुलाई को, फ्रांस अपना राष्ट्रीय दिवस मनाता है, जिसे बैस्टिल दिवस के रूप में भी जाना जाता है, बैस्टिल जेल की क्रांति को फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत और फ्रांसीसी राजशाही के अंत की बुनियाद माना जाता है।

हालांकि, भारत का स्वतंत्रता दिवस इस मायने में अनूठा है कि यह लगभग 200 वर्षों के ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत का प्रतीक है, जिसका आज हम जिस भारत को जानते हैं, उसे आकार देने में, काफी गहरा प्रभाव पड़ा है। यह महात्मा गांधी जैसी शख्सियतों के नेतृत्व में एक अहिंसक संघर्ष भी था, जिन्होंने शांतिपूर्ण विरोध और सविनय अवज्ञा की वकालत की, जो दुनिया भर के अन्य स्वतंत्रता आंदोलनों की तुलना में एक अनूठा दृष्टिकोण था।

स्वतंत्रता के बाद से भारत की यात्रा:

साल 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से, भारत ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास के मामले में एक लंबा सफर तय किया है। भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हमने गरीबी, लैंगिक असमानता और जाति आधारित भेदभाव जैसे सामाजिक मुद्दों को खुल कर उठाया है और हमने इसमें प्रगति भी की है।

हालांकि, अभी भी कई ऐसी चुनौतियां हमारे सामने मुंह खोले खड़ी हैं जिन पर हमें जल्द से जल्द ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत अभी भी भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता, प्रदूषण और सांप्रदायिक तनाव जैसे मुद्दों का सामना कर रहा है। मानवाधिकारों की सुरक्षा और देश में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर भी बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा लगातार चिंता जाहिर की जा रही है, जिसकी चाह कर भी अनदेखी नहीं की जा सकती है।

स्वतंत्रता दिवस हमारे देश के इतिहास में एक स्वर्णिम दिन है। यह एक नए देश के निर्माण, औपनिवेशिक नियंत्रण व अत्याचार के अंत और भारत के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदान को प्रतिबिंबित करने और हमारे पूर्वजों द्वारा देश की आजादी के लिए किए गए संघर्षों को याद करने का दिन है। यह इस बात पर विचार करने का भी दिन है कि स्वतंत्रता की और स्वतंत्रता के बाद की हमारी यात्रा अन्य देशों की तुलना में कैसी है। यह दिवस हमें एक राष्ट्र, एक झंडे के नीचे खड़े होकर भारत को किसी भी देश से एक बेहतर देश बनाने का संकल्प लेने का दिन है, फिर चाहे हम किसी भी रंग, जाति, धर्म, भाषा आदि के आधार पर एक दूसरे से भिन्न ही क्यों न हों। जय हिन्द, जय भारत।

Speech No.4

आदरणीय प्रधानाचार्य, शिक्षक गण और मेरे प्रिय साथियों आज स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के इस अवसर पर हम सभी यहां पर इकट्ठा हुए हैं और यह मेरा सौभाग्य है कि आजादी के इस अवसर पर आप सभी के समक्ष मुझे भी अपने विचार रखने का मौका मिला है।

सबसे पहले मेरी ओर से आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि इस वर्ष भारत का 77 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है। आजादी के इस दिवस पर मैं अपने कुछ विचार आपके सामने रखने जा रही हूं जो तहे दिल से मेरे भारत के लिए समर्पित है –

जब आंख खुले तो धरती हिंदुस्तान की हो,
जब आंख बंद हो तो यादें हिंदुस्तान की हो,
हम मर भी जाए तो कोई गम नहीं,
बस मरते वक्त मिट्टी हिंदुस्तान की।

हमारे देश पर 200 सालों तक अंग्रेजों का शासन रहा है। आजादी के 77 सालों में हम इस बात से सभी वाकिफ हो चुके हैं कि हमारे देश को आजाद कराने के लिए बहुत से महान स्वतंत्रता सेनानियों जैसे पंडित जवाहरलाल नेहरु, लोकमान्य तिलक, सुभाष चंद्र बोस, मंगल पांडे, लाला लाजपत राय, खुदीराम बोस, महात्मा गांधी तथा और भी अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों के अत्याचार सहते हुए देश को आजादी दिलाने के लिए सदैव तत्पर रहें और देश की खातिर ही शहीद भी हो गए।

वर्ष 1857 से लेकर 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम लड़ने के पश्चात और काफी अत्याचार सहने के पश्चात 15 अगस्त सन 1947 को हमारा भारत देश अंग्रेजों के ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से मुक्त हुआ और

सभी भारत वासियों ने 200 वर्षों के पश्चात आजादी की सांस ली। आज स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ मौके पर मैं शहीद स्वतंत्रता सेनानियों के लिए कुछ शब्द कहना चाहूंगी –

फांसी चढ़ गए और सीने पर गोली खाई
उन शहीदों को करते हैं नमन,
जो मिट गए इस भारत देश पर
युगो युगो याद करता रहेगा उन्हें ये वतन।

हम सभी जानते हैं कि हर साल 15 अगस्त को भारत में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया किया जाता है। 15 अगस्त सन 1947, इस तिथि को भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है। इस शुभ अवसर पर हमारे देश के प्रधानमंत्री हर वर्ष लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं जिसके बाद राष्ट्रीय गान गाया जाता है और सेना के द्वारा शक्ति प्रदर्शन और परेड मार्च किया जाता है।

साथ ही हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों को 21 तोपों की सलामी दी जाती है और उन्हें नमन किया जाता है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के सम्मान मे मैं कुछ लाइने कहना चाहूंगी –

दे सलामी इस तिरंगे को
जिससे तेरी शान है
सर ऊँचा हमेशा रखना इसका
जब तक दिल में जान है।

15 अगस्त के पर्व को पूरे भारतवर्ष में बहुत ही देशभक्ति भाव के साथ और उमंग और जोश के साथ मनाया जाता है। कॉलेज और स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें बच्चे बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। कोई तो देश भक्ति का गीत सुनाता है तो कोई कविता सुना कर हमारी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देता है तो कुछ बच्चे सांस्कृतिक नृत्य पेश करते हैं।

छात्र भगत सिंह, महात्मा गांधी और दूसरे क्रांतिकारियों की वेशभूषा धारण करके नाटक पेश करते हैं। इस दिन सरकारी संस्थानों कार्यालय आदि में सरकारी अवकाश रहता है।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि हमारा भारत देश 200 सालों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहा है और इस दौरान हमारे देश वासियों ने बहुत यातनाएं सही है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने इस देश को आजाद करवाने के लिए बलिदान दिए हैं और उन्हीं बलिदान को याद रखते हुए राष्ट्र का सम्मान हमेशा बनाए रखने का हम सभी को प्रण लेना चाहिए। देश के लिए समर्पित इन पंक्तियों के साथ में अपने लफ़्ज़ों को विश्राम देना चाहूँगी –

आजादी की कभी शाम नहीं होने देंगे
शहीदों की कुर्बानी बदनाम नहीं होने देंगे
बची हो जो एक बूंद भी गरम लहू की
तब तक भारत माता का आंचल नीलाम नहीं होने
जय हिंद ….. जय भारत… …

Speech No. 5

माननीय अतिथि महोदय, इस कार्यक्रम के प्रस्तुतकर्ता और यहां पधारे सभी मेरे मित्रगण, आप सभी को 77 वें स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं। आज हमारा देश बहुत उमंग और जोश के साथ 77 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। आप सभी जानते हैं कि हमारे देश को आजाद हुए 77 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

आज के दिन प्रधानमंत्री जी द्वारा लाल किले पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। तीन रंगों वाला हमारा तिरंगा जिसे जब भी मैं देखता हूं तो मेरे अंदर एक अलग जुनून जाग उठता है। तिरंगा मुझ एक जोश और उत्साह से भर देता है। दोस्तों मैं आपसे हमारे तिरंगे से जुड़ी जानकारियां सांझा करना चाहता हूं जो हो सकता है मालुम हो, और हो सकता है के न भी हो।

- क्या आप जानते हैं कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज का design किसने तैयार किया था? आपकी जानकारी के लिए बता दू कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज का डिजाइन मछलीपट्टनम जिसे आज आंध्र प्रदेश के नाम से जाना जाता है, के रहने वाले महान देशभक्त और क्रांतिकारी पिंगली वेंकैया ने तैयार किया था। तिरंगे की तीन पटियाँ केसरी, सफेद और हरा रंग तथा बीच में अशोक चक्र उन्हीं की परिकल्पना का साक्षात रुप है।
- इस ध्वज को राष्ट्रीय ध्वज के रूप में 1971 में राष्ट्रीय कांग्रेस के अखिल भारतीय सम्मेलन में संपूर्ण सभा के द्वारा स्वीकार किया गया था।

दोस्तों पर एक बात मुझे खटकती है। 15 अगस्त को धूमधाम से देश की आजादी का जश्न मनाने के बाद अगले दिन छोटे-छोटे तिरंगे झंडे को लोगों ने यहां वहां फैँका होता है। यह हमारे तिरंगे का अपमान है जिसके लिए मैं कहना चाहूंगी कि कृपया ऐसा ना करें और देश के राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करें। तिरंगे के लिए 2 पंक्तियां कहना चाहूंगी

आन देश की शान देश की,
देश की हम संतान है
तीन रंगों से रंगा तिरंगा
अपनी यह पहचान है
झंडा ऊंचा रहे हमारा ...विजयी विश्व तिरंगा प्यारा..

अब मैं आपको उन वीर योद्धाओं के बारे में बताना चाहती हूं, जिनकी वजह से आज हम आजाद भारत में सांस ले पा रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि 70 साल पहले 200 सालों तक अंग्रेजों ने भारत पर राज किया है। वह भारत व्यापार के बहाने से आए और धीरे-धीरे उन्होंने सब कुछ अपने अधीन कर लिया और भारत को गुलाम बना लिया।

पर हमारी भारत मां की धरती पर कुछ ऐसे वीर सपूत हुए जो अपनी आखिरी सांस तक भारत मां को आजादी दिलाने के लिए डट कर खड़े रहे। जैसे सुभाष चंद्र बोस, लाला लाजपत राय, महात्मा गांधी तथा और भी अन्य बहुत सारी क्रांतिकारी हुए हैं जिनका देश को आजाद करवाने में बहुत बड़ा योगदान रहा है।

उन लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए भी हम 15 अगस्त को मनाते हैं और हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी भारत मां की रक्षा के लिए सदैव तत्पर m देना चाहूंगी -लुटाने

की …है

बहुत किस्से तुम्हें कौन सा सुनाऊँ,
भारत मां पर जान लुटाने वालों का क्या नाम बताऊं,
कर देते हैं जान कुर्बान अपनी एक पल में,
शहीदों का क्या-क्या काम गिनाउँ।

Speech No. 6

गूंज रहा है दुनिया में भारत का नगाड़ा,
चमक रहा है आसमान में देश का सितारा,
आजादी के दिन आओ मिलकर करे दुआ,
बुलंदी पर लहराता रहे तिरंगा हमारा।

यहां उपस्थित **प्रिंसिपल महोदय, गुरुजन, मुख्य अतिथि महोदय और मेरे प्यारे साथियों**..आज हम सभी 15 अगस्त के उपलक्ष में यहां सभी एकत्र हुए हैं। इस पावन अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आप सभी के सामने 15 अगस्त के उपलक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करना चाहती हूं।

हम सभी जानते हैं कि हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं। आज हम 77 वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। आज ही के दिन हमारा देश 200 साल अंग्रेजी शासन के गुलाम रहने के बाद आजाद हुआ था।

हमारा भारत देश सदा से ही एक शांतिप्रिय देश रहा है। पराधीनता के उस दौर में जब देश की जनता पर अत्याचार बढ़ते जा रहे थे और देश टुकड़ों में बंट रहा था, तो उस समय हमारे वीर सपूतों ने कई संग्राम और प्रयास से इस देश की रक्षा की। बहुत लोग शहीद हुए। बहुत लोगों ने देश को आजाद करवाने के लिए बलिदान दिए हैं और इन्हीं इसी के चलते आज हमें आजाद भारत में सांस लेने का सौभाग्य प्राप्त है।

जवाहरलाल नेहरु, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, महात्मा गांधी, भगत सिंह जैसे अनेक देशभक्त ऐसे भारत मां के सपूत हैं जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी भारत मां की सेवा में ही लगा दी।

हालांकि अंग्रेजों ने प्रताड़ित करने में कोई भी कसर नहीं छोड़ी, परंतु उन्होंने आखिर तक हार नहीं मानी और देश में आगे आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए चिंता की और अपनी आखिरी सांस तक देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़ते रहे और 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता दिलाने में सफल रहे।

हम बहुत भाग्यशाली है कि हमें आजाद भारत में जन्म मिला है। वह आजाद भारत जिसे आजाद करने के लिए हमारे पूर्वजों ने कीमत चुकाई है। स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत के गुलाम ही 1857 से ही आजादी की लड़ाई शुरू कर दी थी।

जो 1947 में जाकर खत्म हुई। हम देशभक्ति के इस जज्बे को नमन करते हैं और उन वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पण करते हैं जो देश की अखंडता, एकता और प्रभुता के लिए शहीद हो गए। 15 अगस्त मनाने का हमारा केवल यही मकसद नहीं होना चाहिए कि हमें स्वतंत्रता सेनानियों को याद करना है और आजादी का जश्न मनाना है बल्कि 15 अगस्त बनाने का मकसद तब पूरा होगा जब हम आजादी के असली मायने समझेंगे।

हमारा फर्ज है कि हमारे पूर्वजों ने जो एक समृद्ध भारत की तस्वीर देखी थी उसके अनुसार अपने देश को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपना योगदान दे। देश के प्रति जिम्मेदारी को समझें और बेहतर राष्ट्रीय निर्माण करने के लिए छोटी-छोटी कोशिश करें। इसी के साथ में अपने शब्दों को विराम देते हुए कहना चाहूंगी कि –

देश भक्ति का मतलब सिर्फ देश के ध्वज को लहराना ही नहीं है
बल्कि अपने देश को सशक्त और मजबूत बनाने में भी सहायता सहायता करना भी है

Speech No.7

आज़ादी पर भाषण

मेरे उत्कृष्ट प्रधानाचार्य, शिक्षकों और बाकी स्टाफ के साथ-साथ स्कूल के मेरे सभी साथी छात्रों को मेरी हार्दिक सुप्रभात शुभकामनाएं।

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस 2023 की थीम "राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम" होगी। "आजादी का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम के कार्यक्रम के हिस्से के रूप में होगा। राष्ट्र की विविध संस्कृतियों का सम्मान करने के लिए, सरकार ने कई गतिविधियों को लागू करने का विकल्प चुना है।

हर साल 15 अगस्त को भारत अपनी आजादी का जश्न मनाता है। 1947 में इसी दिन भारत को ब्रिटिश प्रभुत्व से आजादी मिली थी। 15 अगस्त को भारत की आजादी की तारीख के रूप में चुना गया था क्योंकि लॉर्ड माउंटबेटन ने सोचा था कि यह भाग्यशाली है। उनसे पहले जापानी सेना थी, जो 1945 में उसी दिन पहले ही आत्मसमर्पण कर चुकी थी।

Pantbook.com

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन 1857 में मेरठ में सिपाही विद्रोह के साथ शुरू हुआ और प्रथम विश्व युद्ध के बाद इसमें तेजी आई। महात्मा गांधी ने 20वीं सदी के राष्ट्रव्यापी स्वतंत्रता आंदोलन और दमनकारी ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) और अन्य राजनीतिक समूहों का नेतृत्व किया। भारत छोड़ो आंदोलन, जिसने ब्रिटिश शासन के अंत के लिए जोर दिया, 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के एक भाग के रूप में भारतीय कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया था। परिणामस्वरूप, गांधी और अन्य राष्ट्रवादियों, कार्यकर्ताओं और राजनेताओं को औपनिवेशिक सरकार द्वारा कैद कर लिया गया। 1947 में भारत के विभाजन के दौरान, धार्मिक असहिष्णुता ने खूनी दंगों को जन्म दिया जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मौतें हुईं और 15 मिलियन लोगों को निष्कासित कर दिया गया।

इसके अलावा, स्वतंत्रता दिवस पर, हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करते हैं क्योंकि वे ही थे जिन्होंने हमारे देश के लिए लड़ाई लड़ी और इस प्रक्रिया में अपनी जान दे दी। हम उस दिन को बहुत महत्व देते हैं जिस दिन हम अपनी स्वतंत्रता का जश्न मनाते हैं। यह मानते हुए कि यह देश के शहीदों का सम्मान करने का एकमात्र दिन है, इसके अलावा, यह वह दिन है जब हम अपने सभी सांस्कृतिक मतभेदों को भूलकर एक प्रामाणिक भारतीय के रूप में एक साथ आते हैं।

देश में हर जगह लोग स्वतंत्रता दिवस को बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं। स्वतंत्रता दिवस के जश्न पर, लोग सभाओं के लिए इकट्ठा होते हैं, तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान जन गण मन गाते हैं। यह दिन हमारे देश की राजधानी, नई दिल्ली में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। रेड फोर्ड के सामने परेड मैदान पर बड़ी संख्या में नेता और आम लोग इकट्ठा होते हैं। लाल किले पर भारतीय प्रधानमंत्री झंडा फहराते हैं। झंडा फहराने के बाद, वह पिछले वर्ष के दौरान सरकार की उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमारे मुक्ति सेनानियों द्वारा किए गए योगदान के सम्मान में भाषण देते हैं। वे उन कठिनाइयों का उल्लेख करने के बाद भविष्य के विकासात्मक दृष्टिकोण और रोडमैप का भी आग्रह करते हैं जिन्हें अभी भी हल करने की आवश्यकता है।

इस महत्वपूर्ण अवसर का गवाह बनने के लिए इस विशेष अवसर पर विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया जाता है। स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की याद में श्रद्धांजलि दी जाती है। भारतीय राष्ट्रगान, "जन गण मन," गाया जाता है। भाषण के बाद, भारतीय सेना और अर्धसैनिक परेड का मंचन किया जाता है। सभी राज्यों की राजधानियों में समान आयोजन होते हैं और प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

Parotbook.com

इसके अतिरिक्त, उन्हें यह समझाना है कि हमारे देश ने खुद को ब्रिटिश शासन से कैसे मुक्त कराया। और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने राष्ट्र के प्रति अपनी सेवा के लिए जो कीमत चुकाई। इसके अतिरिक्त, ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि बच्चे अपने राष्ट्र के इतिहास के बारे में जान सकें। और पिछले वर्षों में किस प्रकार प्रगति हुई। ताकि वे अपने भविष्य के करियर को गंभीरता से लें और हमारे देश को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

ब्रिटिश अधिकार के अधीन एक उपनिवेश बनने से लेकर ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक के रास्ते में कई उतार-चढ़ाव आए। हमने प्रतिभा की चमक का अनुभव किया और हमें खुद पर विचार करने का मौका मिला। हालाँकि, पूरी यात्रा के दौरान भारतीयों में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना प्रबल रही। देश के लिए अपनी जान देने वाले शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता दिखाने का एक तरीका हम हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाकर कर सकते हैं।

धन्यवाद

Panotbook.com